गले में घाव या ख़राबी हो

इस आयत को 7 बार पढ़कर थोड़े से नमक पर दम करके उसे गले के अन्दर पहुंचाएं-

فَلَوْلَآ اِذَا بَلَغَتِ الْحُلْقُوْمَ ۙ

وَاَنْتُمْ حِيْنَئِذٍ تَنْظُرُوْنَ ۙ

फ़-लौला इज़ा ब-ल-ग़तिल हुलक़ूम० व अन्तुम हीनइज़िन तन्ज़ुरून०

(सूरः वाक़िआ, 83-84)

तर्जुमाः- "सो जिस वक़्त रूह हलक़ तक आ पहुंचती है, और तुम उस वक़्त तका करते हो।"